

अध्याय - 4 लौह अयस्क की बिक्री

यह अध्याय मूल्य निर्धारण और बिक्री से संबंधित मुद्दों के संबंध में है।

एनएमडीसी, जापानी स्टील मिल्स (जेएसएम) के साथ दीर्घकालिक करारों (एलटीए) के द्वारा लौह अयस्क का निर्यात करती है। एनएमडीसी से प्राप्त मूल्य आस्ट्रेलियाई और ब्राजीलियाई निर्यातकों को जापानी स्टील मिल्स द्वारा अदा किए गये मूल्य के अनुरूप थे।

निर्यातों की एलटीए कीमतें घरेलू उपभोक्ताओं के साथ एलटीए हेतु घरेलू मूल्य निर्धारित करने का आधार थी।

2005-12 के दौरान एनएमडीसी की 95 प्रतिशत बिक्री एलटीए से और बाकी स्पॉट बिक्री थी। एलटीए के माध्यम से घरेलू उपभोक्ताओं को बिक्री इसकी बिक्री का 84 प्रतिशत थी।

विहंगावलोकन

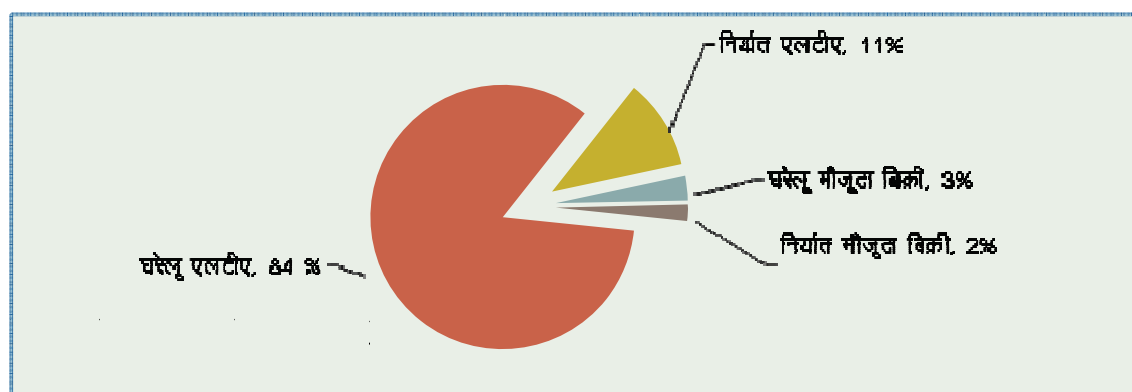
4.1 कंपनी उपभोक्ताओं के साथ पाँच वर्ष की अवधि के लिए घरेलू लौह अयस्क की बिक्री तथा निर्यात बाजार के लिए दीर्घकालिक करार (एलटीए) करती है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ कंपनी/ग्राहकों द्वारा आपूर्त की जाने वाली/उठाई जाने वाली मात्रा का प्रावधान होता है। 2005-12 के दौरान, एनएमडीसी ने देश के लौह अयस्क उत्पादन में 13 प्रतिशत योगदान दिया और देश में घरेलू लौह अयस्क माँग का 26 प्रतिशत पूरा किया। वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान देश के लौह अयस्क उत्पादन में इसने 16 प्रतिशत योगदान दिया और घरेलू माँग का 23 प्रतिशत पूरा किया। एनएमडीसी मुख्यतः गैर केप्टिप खदानों जैसे-राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड,

जेएसडब्ल्यू स्टील्स लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू इस्पात लिमिटेड, एस्सार स्टील्स लिमिटेड इत्यादि उद्यमों के लिए कैटरिंग द्वारा घरेलू लौह अयस्क बाजार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मार्च 2012 तक 65 स्पंज आयरन कंपनियों को छोड़कर कंपनी के पास 27 लौह अयस्क उपभोक्ता थे। इसके अतिरिक्त, कंपनी मौजूदा बाजार में भी लौह अयस्क बेचती है। निम्नलिखित तालिका मार्च 2012 को समाप्त अंतिम सात वर्षों के दौरान बिक्री और मूल्य का ब्यौरा दर्शाती है।

तालिका 9: बिक्री मि.टन और मार्च 2012 को समाप्त सात वर्षों के लिए मूल्य को दर्शाती तालिका

विवरण	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
बिक्री मिलियन टन (मि.टन) में	24.80	25.59	28.18	26.47	24.09 ¹¹	26.32	27.30
बिक्री (₹ करोड़ में)	3669.47	4170.92	5705.32	7559.11	6222.60	11285.33	11167.56

चार्ट 2: 2005-12 के दौरान घरेलू, निर्यात और मौजूदा बिक्री से कुल बिक्री का अनुपात



मूल्य निर्धारण तंत्र

4.2 2005-12 के दौरान कम्पनी ने 95 प्रतिशत लौह अयस्क ग्राहकों के साथ एलटीए द्वारा तथा शेष 5 प्रतिशत क्षेत्रीय बाजार में बेचा। जापानी स्टील मिलज़ (जेएसएम) ने ब्राजील और आस्ट्रेलिया के प्रमुख उत्पादकों के साथ लौह अयस्क का मूल्य तय किया। कम्पनी का निर्यात मूल्य इन बेंचमार्क मूल्यों के अनुरूप तय किया गया था।

4.3 जहाँ तक घरेलू एलटीए कीमतों का संबंध है, कम्पनी ने गणेशन समिति¹² की सिफारिशों का अनुसरण किया जिसमें सभी उत्पादों जैसे, अंशशोधित डला अयस्क एवं फाइन्स के लिए मध्यावधि संशोधन सहित घरेलू कीमतों के नियतन की प्रणाली निहित थी।

4.4 समिति की सिफारिशों की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- ग्राहकों की दो क्षेत्रियां होगीं (क) दीर्घावधि के ग्राहक, (ख) स्थानीय ग्राहक
- घरेलू बाजार में पहले वर्ष के लिए मूल्य निर्यात से शुद्ध बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) के आधार पर नियत होने चाहिए और इसके पश्चात् घरेलू बाजार के लिए लौह अयस्क का आधार मूल्य नियत होना चाहिए जो कम्पनी द्वारा अयस्क की आपूर्ति के लिए (उपयुक्त रूप से डॉलर-रूपया समानता से समायोजित) जापानी स्टील मिलज़ (जेएसएम) द्वारा पिछले वर्ष के मूल्य पर स्वीकृत बढ़त/कमी की प्रतिशत ता के आधार पर प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल से प्रभावी होना चाहिए।
- विक्रेता को बाजार के परिदृश्य में मध्यावधि आधार पर बढ़ी हुई अभूतपूर्व कीमत (25 प्रतिशत और उससे ज्यादा) की समीक्षा करने का अधिकार होगा।
- स्थानीय बाजार और अन्य ग्राहकों के लिए कम्पनी प्रतिस्पर्धात्मक बाली/ई-नीलामी को अपना सकती हैं।

लेखापरीक्षा निष्कर्ष

घरेलू एलटीए बिक्री

4.5 लेखापरीक्षा ने एलटीए बिक्री से सम्बंधित निम्नलिखित घरेलू मुद्दों का विश्लेषण किया:

- गणेशन समिति रिपोर्ट के अनुसार 2005-06 से 2009-10 तक के पाँच वर्षों के दौरान मूल्य-निर्धारण;
- 2010-11 के दौरान मूल्य-निर्धारण; और
- 2011-12 के दौरान मूल्य-निर्धारण।

¹² गणेशन समिति की स्थापना मार्च 2005 में इस्पात मंत्रालय द्वारा घरेलू लौह अयस्क के मूल्य को विद्यमान अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य के साथ जोड़ने के लिए एक व्यावहारिक फार्मूला सूझाने के लिए की गई थी। कम्पनी ने अपनी सिफारिशें अप्रैल 2005 में दी जिन्हें मंत्रालय ने जुलाई 2005 में स्वीकार किया था।

2005-10 के दौरान घरेलू बाजार में मूल्य निर्धारण

4.6 कम्पनी ने ग्राहकों का आपूर्ति हेतु गणेशन समिति की सिफारिशों के आधार पर अगस्त 2005 में दीर्घावधि ठेके दिए जो 2005-06 से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी थे और 2009-10 तक वैध थे सिवाय एस्सार को फाइन्स की आपूर्ति के एक ठेके के जो कि 2015 तक वैध था।

4.7 2005-06 तथा उसके बाद के वर्षों के लिए तय कीमतें समिति की मूल सिफारिश पर आधारित थी कि जापान को किए गए निर्यात से कुल बिक्री उद्घग्रहण को प्रथमतया अर्थात् वर्ष 2005-06 में मूल कीमत के आधार पर अपनाया जाना चाहिए। नीचे दी गई तालिका दर्शाती है कि किस तरह जापानी स्टील मिलज़ द्वारा प्रस्तावित मूल्य के आधार पर घरेलू मूल्य का निर्धारण किया गया था।

तालिका 10: 1 अप्रैल 2005 के मूल्य का प्राप्त करने के आधारों को दर्शाता तालिका:-

क्रम संख्या	विवरण	बीएल*	बीएफ*	डीआर सीएलओ*	डीएल*	डीएफ*
1	जेएसएम द्वारा दिए गए लौह 65% का यूएस \$/डीएलटी ¹³ में मूल्य	50.44	39.13	50.44	48.74	39.13
2	65% का लौह का यूएस \$/डबल्यूएमटी ¹⁴ में मूल्य	48.25	36.64	48.25	46.79	35.84
3	बोनस/जुर्माना ¹⁵	1.19	-0.56	4.76	0	-0.55
4	क्रम संख्या 3 को शामिल करते हुए यूएस \$/ डबल्यूएमटी में मूल्य	49.44	36.08	53.01	46.79	35.29
5	प्रति डबल्यूएमटी निवल एफओबी ₹ में (1 यूएस \$=₹ 44.16)	2183	1593	2341	2066	1558
6	घटा: खर्च (भाड़ा, पत्तन प्रभार, रॉयलटी और निर्यात शुल्क) ₹ में	674	666	674	643	635
7	शुद्ध बिक्री उद्घग्रहण (₹ प्रति डबल्यूएमटी)	1509	927	1667	1423	923
8	घरेलू मूल्य (₹ प्रति डबल्यूएमटी)	1510	925	2000 ¹⁶	1450	925

* - बीएल: बैला लम्प, बीएफ: बैला फाइन्ज़; डीआर सीएलओ: प्रत्यक्ष रूपान्तरण अंशशोधिता लम्प अयस्क, डीएल: दोनी लम्प; डीएफ: दोनी फाइन्ज़

¹³ डीएलटी का अर्थ ड्राई लॉग टन से है। सभी निर्यात करार केवल डीएलटी की शर्तों के अनुसार ही होते हैं। एक डीएलटी 1.016 मीट्रिक टन के बराबर होती है।

¹⁴ डबल्यूएमटी का अर्थ वेट मीट्रिक टन से है। मूल्य प्रति डबल्यूएमटी = {मूल्य प्रति डीएलटी*(100 - नमी प्रतिशत)/100}। सभी घरेलू आपूर्तियाँ डबल्यूएमटी में की जाती हैं।

¹⁵ बेन फाइन्ज़ और दोनी फाइन्ज़ के लिए बोनस को नकारात्मक दर्शाया गया था क्योंकि फाइन्स की घरेलू आपूर्तियों में 64.5 प्रतिशत लौह है जबकि अन्तर्राष्ट्रीय ठेकों में न्यूनतम 65 प्रतिशत लौह का प्रावधान है।

¹⁶ डीआरसीएलओ में 67 प्रतिशत ज्यादा लौह है। इसलिए यह प्रीमियम की मांग करता है। अतः उच्चतर मूल्य नियत किया गया था।

4.8 बाद के वर्षों की कीमतें उपर्युक्त प्रारम्भिक मूल्यों पर जेएसएम के साथ तय की गई वृद्धि *प्रतिशत* ता को ध्यान में रखते हुए तय की गई थी। डालर-रूपया समानता के लिए कीमतों का समुचित रूप से समायोजन भी किया गया था।

घरेलू एलटीए से संबंधित ठेके में अशक्तता

4.9 अन्तर्राष्ट्रीय एलटीए में मूल्य साल में एक बार निर्धारित किए जाते थे तथा वर्ष भर वही मूल्य रहते थे। तथापि, गणेशन समिति ने सिफारिश की कि घरेलू एलटीए बिक्री के लिए विक्रेता (कम्पनी) को बाजार परिदृश्य में मध्यावधि आधार पर बढ़ी हुई अभूतपूर्व कीमत (25 *प्रतिशत* और उससे ऊपर) की समीक्षा करने का अधिकार होना चाहिए। तदनुसार, कम्पनी ने अपने उपलब्ध घरेलू एलटीए के खण्ड 4 (बी)(ई) में यह प्रावधान किया कि विक्रेता को बाजार परिदृश्य में 25 *प्रतिशत* तथा इससे ज्यादा अभूतपूर्व विभिन्न मूल्य की मध्यावधि आधार पर समीक्षा करने का अधिकार आरक्षित रखना चाहिए। इस खण्ड के कारण अस्पष्टता बढ़ती है क्योंकि:

- 'मध्यावधि' शब्द अनुबंध में परिभाषित नहीं किया गया था और इस प्रकार, इस मुद्दे में अस्पष्टता थी कि मूल्य संशोधन कब प्रभावी होगा। कम्पनी ने प्रत्येक साल के दौरान केवल एक बार मूल्य संशोधित किया; और
- एलटीए में भी निर्दिष्ट नहीं किया गया कि 25 *प्रतिशत* या उससे अधिक अभूतपूर्व बढ़े हुए विभिन्न मूल्य में कितनी *प्रतिशत* ता की वृद्धि होनी चाहिए।

4.10 अनुबंध में स्पष्टता के अभाव में कम्पनी ने स्थानीय बाजार में वास्तविक बढ़ी हुई *प्रतिशत* ता की बजाय कम *प्रतिशतता* पर मूल्य संशोधित किए। कम्पनी ने बाजार में मूल्य बढ़ने पर मूल्य में संशोधन नहीं किया। इसके परिणामस्वरूप कम्पनी ने 2008-09 में ₹ 427.74 करोड़ का थोड़ा सा लाभ समायोजित करते हुए 2007-08 और 2009-10 में ₹ 1,173.68 करोड़ की राजस्व हानि उठाई।

वित्तीय वर्ष 2007-08 के दौरान कीमत संशोधन

4.11 अगस्त 2007 में हाजिर बाजार में औसत मासिक कीमत अप्रैल 2007 की मूल कीमत से उपर 33 *प्रतिशत* तक बढ़ी। हाजिर कीमत सितम्बर 2007 में आगे मूल कीमत से अधिक 62 *प्रतिशत* तक बढ़ी। 2007 दिसम्बर 2007 तक, कीमते मूल कीमत की अपेक्षा 95 *प्रतिशत* अधिक थी। तथापि, कम्पनी ने केवल अक्टूबर 2007 से कीमतों में संशोधन किया और वह केवल 47.5¹⁷ *प्रतिशत* तक थी। यद्यपि प्रबंधन ने कीमतों में वृद्धि के लिए बोर्ड को प्रस्ताव (फरवरी 2008) किया। बोर्ड एलटीए की अवधारणा सहित संगत न हो सकने से कीमतों के बार-बार संशोधन के आधार पर बढ़ी कीमतों के लिए सहमत नहीं हुआ।

¹⁷ अगस्त 2007 (33 *प्रतिशत*) और सितम्बर 2007 (62 *प्रतिशत*) महीने को औसत कीमत वृद्धि 47.50 % हो गई। यह 47.50% वृद्धि की मात्रा (₹ 574/ टन) पहुँचने पर बीएफ/डीएफ की आधार कीमत दीर्घावधि के लिए लागू की गई थी। यह वृद्धि (₹ 574/ टन) संशोधित कीमत पर हुई सभी पदार्थों के आधार कीमत दीर्घावधि लिए जोड़ी गई थी।

4.12 वर्ष 2007-08 के दौरान कम्पनी द्वारा ₹ 976.17 करोड के राजस्व की कुल हानि उठानी पडी।

वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान कीमत संशोधन

4.13 2007-08 में स्थिति के विपरित, 2008-09 में अंतरराष्ट्रीय कीमते अक्टूबर 2008 में 32 प्रतिशत तक और नवंबर 2008 में अप्रैल 2008 के मूल कीमत से अधिक 43 प्रतिशत घटी। कम्पनी ने 1 दिसंबर 2008 से 25 प्रतिशत (अप्रैल 2008 की दर से अधिक) तक सीधे अपनी घरेलू एलटीए कीमत को कम किया (दिसम्बर 2008)। 25 प्रतिशत तक कीमतों में कमी के बाद भी, अयस्क की घरेलू कीमत¹⁸ (बीएफ: ₹1519/टन) विदेशी एलटीए ग्राहकों के लिए प्रभारित कीमत¹⁹ (बीएफ: ₹ 3413 टन) की अपेक्षा कम बनी रही।

वित्तीय वर्ष 2009-10 के दौरान कीमत संशोधन

4.14 वर्ष 2009-10 के दौरान, हाज़िर बाजार में लौह अयस्क जूरुमांना अप्रैल 2009 की मूल कीमत से अधिक दिसंबर 2009 तक 28 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। इसके बावजूद, कम्पनी ने 1 जनवरी 2010 से केवल 16 प्रतिशत कीमत तक वृद्धि संशोधित की। परिणामस्वरूप, कम्पनी ने जनवरी 2010 से मार्च 2010 तक बेचे लोह अयस्क की 6.11 एमटी की कुल मात्रा पर ₹ 197.51 करोड²⁰ राजस्व जिसमें बोनस सम्मिलित है की हानि उठानी पडी। प्रबंधन ने बोर्ड से ₹ 270 प्रति टन (16 प्रतिशत केवल) तक की दलील (जनवरी 2010) पर कीमतों में वृद्धि का प्रस्ताव किया कि मार्केट अवशोषित करने में सफल नहीं हो सकता और बोर्ड इस पर सहमत हो गया।

एलटीए के अनुसार, एनएमडीसी बाजार परिदृश्य में 25 प्रतिशत या इससे अधिक की कीमत में एक अभूतपूर्व भिन्नता में मध्यावधि के आधार पर कीमतों की समीक्षा करने का अधिकार सुरक्षित किया। एलटीए कीमत संशोधन को प्रभावित करने से संबंधित कीमतों में संशोधन के लिए विशेष कार्यप्रणाली के बारे में मूक था। हमने वर्ष 2007-08 और 2009-10 के दौरान ₹ 1173.68 करोड के राजस्व की हानि और वर्ष 2008-09 के दौरान ₹ 427.74 करोड का लाभ एनएमडीसी द्वारा निचले स्तर पर कीमतों के संशोधन को पाया।

4.15 यद्यपि एनएमडीसी इस आधार पर अपनी पूरी कीमते नहीं बढ़ाई कि बाजार पूर्ण वृद्धि अवशोषित करने में सक्षम नहीं हो सकता। वास्तविकता यह है कि कम्पनी का नीचे दर्शाये गए अंत उपयोगकर्ताओं के लिए स्टील उत्पादकों द्वारा प्रभारित कीमतों पर कोई नियंत्रण नहीं था।

¹⁸ कीमत में ₹ 19 प्रति टन की दर पर सॉयल्टी प्रभार सम्मिलित है।

¹⁹ ₹ / डब्ल्यूएमटी में नेट एफओबी 1 युएस डालर = ₹ 40.08 समझे

²⁰ हाज़िर कीमतों में 26% (जुलाई 2009 से दिसम्बर 2009 तक हाज़िर कीमतों में भिन्नता प्रतिशतता) तक की वृद्धि मानते हुए परिकल्पित की गई है।

तालिका 11 2009 - 10 के दौरान (दिल्ली मार्केट) स्टील के लिए प्रभारित कीमते दर्शाती तालिका

(₹ प्रति टन)

क्रस.	मद	अप्रैल 2009	जनवरी 2010	मार्च 2010
1	टीएसटी 12 एमएम	33,041	33,620	34200
2	एचआर कॉयल्स 2.50 एमएम	33,608	34,270	34,660
3	जीपी शीटस 0.63 एमएम	39,328	44,480	44,270

स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति, इस्पात मंत्रालय

4.16 2005-10 के दौरान कीमत निर्धारण पर लेखापरीक्षा की उपरोक्त टिप्पणिया पर मंत्रालय का जवाब और लेखापरीक्षा विवाद नीचे उल्लेखित है।

तालिका 12 : मंत्रालय का जवाब और लेखापरीक्षा टिप्पणियों को दर्शाती तालिका

मंत्रालय के जवाब का सार	लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ
<p>गणेशनसमिति ने आपसी 'विचार विमर्श' गिरते बाजार में कीमतों पर पहुँचने और लोहे और स्टील इस्पात उद्योग तथा परिस्थितियों की समग्रता के ख्याल रखने के एनएमडीसी बोर्ड की बुद्धिमत्ता पर इस खण्ड की प्रयोज्यता छोड़ दी थी। बोर्ड को जानबूझकर और विशेष रूप से शक्तियाँ दी गई थी कि पूर्ण रूप से प्रचलित बाजार परिस्थित द्वारा प्राधिकृत की गई मध्यावधि समीक्षा को न्यायिक रूप से कार्यान्वयित और लागू करें। गणेशन समिति द्वारा एनएमडीसी बोर्ड की बुद्धिमत्ता को कीमत संशोधन 'मध्यावधि' समीक्षा की मात्रा एवं अवधिकता छोड़ दी गई थी।</p>	<p>गणेशन समिति ने माना है कि वर्ष के प्रारम्भ में मूल कीमत से उपर उपरी भिन्नता 25 प्रतिशत का बदलाव अभूतपूर्व है और बताया कि हाजिर बाजार में अस्थिरता और डॉलर रूपये संरक्षण दर में असामान्य उतार-चढ़ाव के कारण हो सकता है। "मध्यावधि संशोधन" के पीछे समिति का इरादा अभूतपूर्व वृद्धि के विषय में कीमतों में संशोधन सुनिश्चित करना था।</p> <p>यह कम्पनी और इसके बोर्ड को सुनिश्चित करने के लिए था कि ठेके की निबंधन एवं शर्तों में अस्पष्टता नहीं थी। निबंधन इतने स्पष्ट होने चाहिए कि बोर्ड कीमतों में तुरंत संशोधन करे और प्रतिशतता के आधार पर जिससे हाजिर कीमते बढ़ी है परंतु ऐसी कोई स्पष्टता सुनिश्चित नहीं थी। यहा यह मामला ठेके में निबंधन एवं शर्तों की स्पष्टता के विषय में है।</p>
<p>एनएमडीसी के साथ दीर्घकालिक करार अवधि का करार करने से ग्राहको को हाजिर बाजार अस्थिरता पर आधारित लंबी अवधि के ग्राहको को कीमतों में बार-बार अवधि संशोधन के संदर्भ में शामिल अनुल्लंघनीय और कठोर प्रावधान को रोक दिया क्योंकि कीमतों में अवधिक लाभ नहीं था।</p>	<p>गणेशन समिति 25 प्रतिशत या इससे उपर की अभूतपूर्व वृद्धि के विषय में केवल कीमतों में संशोधन सुनिश्चित करना चाहती थी। इस प्रावधान को अनुल्लंघनीय एवं कठोर नहीं कहा जा सकता क्योंकि ग्राहकों को भारी सुरक्षा प्रदान करता है। बल्कि यह प्रावधान, एक अच्छे उपाय में, उन ग्राहको के पक्ष में कार्य करता है जिनको हाजिर कीमत में वृद्धि 24.99 प्रतिशत तक उच्चतर कीमत अदा करने की आवश्यकता नहीं है।</p>

<p>"मध्यावधि समीक्षा " जैसा कि वाक्यांश दर्शाता है का वाणिज्यिक शब्दावली में सामान्य अर्थ होगा एक वार्षिक विवरणी में वित्त वर्ष के प्रारंभ होने के 6 महीने के बाद की समीक्षा करना और उसके बाद केवल एक बार ही इनवोक किया जा सकता है।</p>	<p>मंत्रालय का तर्क इस तथ्य को ध्यान में रखकर दिया जाना चाहिए कि विस्तृत रूप से मध्यावधि का अर्थ है कि दो बिन्दुओं के बीच और वर्ष के लिए एलटीए की मुद्रा के दौरान मूल्य संशोधन की अनुमति देता है, बशर्ते बाजार में अभूतपूर्व वृद्धि या कमी हो। यह प्रावधान भी 24.99 प्रतिशत तक मूल्य स्थिरता परिवर्तन की अनुमति देता है। "मध्यावधि " के रूप में वर्ष में एक बार व्याख्या करते हुए इन वर्षों में कंपनी को पर्याप्त राजस्व से वंचित रखा।</p>
<p>उपभोक्ता वैधानिक शरण का आश्रय ले सकते थे क्योंकि इस प्रावधान पर प्रसिद्ध वकीलों के वैधानिक विचार भिन्न थे।</p>	<p>उत्तर शर्तों और नियमों में अस्पष्टता के लेखापरीक्षा के तर्क का समर्थन करता है। (और इसलिए वैधानिक विचार भिन्न थे)।</p>
<p>जैसा कि सामान्य अर्थ और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल द्वारा भी सहमति जताई गई, " मध्य अवधि " मूल्य संशोधन 30 सितंबर 2007 के बाद अर्थात् 1 अक्टूबर 2007 से दीर्घकालिक घरेलू मूल्यों के संशोधन आवश्यक हो गये।</p>	<p>ऐसा नहीं है कि कंपनी ने लगातार 01 अक्टूबर मूल्य संशोधित नहीं किया। विभिन्न वर्षों में विभिन्न तिथियों पर मूल्यों का संशोधन किया गया। इसके अतिरिक्त, सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि उनका " विचार है कि एक समय अवधि समीक्षा के किये जाने की संख्या एलटीए सीमित नहीं करता।"</p>
<p>यूमैटल वेबसाईट पर सितंबर 2007 तक लौह अयस्क फाइन्स कीमतों में मौजूदा कीमत भिन्नता के आधार पर यह पाया गया, एनएमडीसी ने अयस्क फाइन्स के साथ-साथ लंप अयस्क के लिए 1 अक्टूबर 2007 से ₹ 574/टन की पूर्ण राशि के रूप में मध्यावधि मूल्य संशोधन लागू किया इसके बावजूद कोई पारदर्शी और विश्वसनीय संकेतक इस बात का संकेत करने के लिए नहीं था कि लौह अयस्क लंप मूल्यों में कोई विभिन्नता नहीं थी।</p>	<p>मंत्रालय का तर्क कि मूल्य संशोधन ₹ 574/टन की पूर्ण राशि न कि 47.5 प्रतिशत था, गलत है। निदेशक समिति (सीओडी) जिसमें निदेशक (उत्पादन), निदेशक (वित्त) और निदेशक (वाणिज्यिक) शामिल हैं, की सिफारिशों के अनुसार, 1 अक्टूबर 2007 से प्रभावी मूल्य संशोधन अगस्त (33%) और सितंबर 2007 (62%) औसत विभिन्नता पर आधारित थे। यह औसत मूल्य विभिन्नता (47.50%) बीएफ/डीएफ (₹ 1209/टन) के दीर्घकालिक आधार मूल्य पर प्रभावी था और लगभग ₹ 574/टन तक पहुँचने हेतु रूपये को सीमित कर दिया गया था। रूपये (₹ 574/टन) में इस वृद्धि की मात्रा 1 अप्रैल 2007 तक दीर्घकालिक आधार मूल्य सभी उत्पादों के लिए संशोधित दीर्घकालिक आधार मूल्य पर पहुँचने हेतु जोड़ा गया था।</p> <p>इसके अतिरिक्त, मंत्रालय का तर्क था कि यह जानने का कोई पारदर्शी संकेतक नहीं था कि क्या लौह अयस्क लंप मूल्यों में विभिन्नता थी, तर्क संगत नहीं है। कंपनी दशकों से लौह अयस्क को बेचने के व्यवसाय में है और यह जानती है कि यदि फाइन्स का मूल्य बढ़ता है, लंप अयस्क का मूल्य भी (जो सामान्यतः लौह तत्व से अधिक होता है) बढ़ जाता है।</p>

<p>इसके अतिरिक्त 1 अक्टूबर 2007 से प्रभावी, एनडीएमसीज की प्रतिक्रिया मध्यावधि संशोधन को फरवरी 2008 में सचिव (इस्पात) के साथ बैठक के दौरान मुख्य इस्पात उत्पादकों द्वारा इस्पात मूल्यों की बढ़ोतरी के कारण प्रकाश में लाया गया। 1 जनवरी 2008 से लागू लौह अयस्क मूल्यों में अन्य किसी वृद्धि का इस्पात मूल्यों के साथ-साथ एलटीए के सारांश और वैसी ही वैधानिक जटिलताओं पर मुद्रास्फीतिक प्रभाव पड़ सकता था।</p>	<p>अक्टूबर 2007 से प्रभावी कंपनी द्वारा लौह अयस्क मूल्यों को 47.50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया और वृद्धि का इस्पात मूल्यों पर मुद्रास्फीतिक प्रभाव होगा, के पूर्व संदर्भ पर जनवरी 2008 से प्रभावी मूल्यों की वृद्धि को नकार दिया। हालांकि, नीचे से देखा जा सकता है कि अक्टूबर 2007 में लौह अयस्क मूल्यों में वृद्धि से मार्च 2008 में उत्पादित ₹ 1,062 प्रति टन तक इस्पात पर निवेश लागत की बढ़ोतरी पर प्रभाव पड़ा जबकि, अक्टूबर 2007 के मूल्यों की तुलना में मार्च 2008 में इस्पात ₹10,350 प्रति टन तक इस्पात का मूल्य बढ़ गया।</p> <p>2007-08 के दौरान आरआईएनएल द्वारा रीबार्ज (12 मि.मी) हेतु लिए गये मूल्यों को दर्शाती तालिका</p> <table border="1" data-bbox="743 688 1372 1029"> <thead> <tr> <th>उत्पाद (₹/टन)</th> <th>अप्रैल 2007</th> <th>अक्टूबर 2007</th> <th>मार्च 2008</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>एनएमडीसी (बीएफ) द्वारा लिया गया लौह अयस्क मूल्य</td> <td>1,209</td> <td>1,783</td> <td>1,783</td> </tr> <tr> <td>बिक्री योग्य उत्पादित इस्पात के प्रयुक्त लौह अयस्क प्रति टन की लागत (1.85 टन)</td> <td>2,237</td> <td>3,299</td> <td>3,299</td> </tr> <tr> <td>अप्रैल मूल्यों पर वृद्धि</td> <td></td> <td>1,062</td> <td>1,062</td> </tr> <tr> <td>रीबार्ज 2 मीमी</td> <td></td> <td>30,900</td> <td>41,250</td> </tr> <tr> <td>अक्टूबर मूल्यों पर वृद्धि</td> <td></td> <td></td> <td>10,350</td> </tr> </tbody> </table> <p>स्रोत: मूल्य परिपत्र, आरआईएनएल</p> <p>इसलिए, लौह अयस्क की लागत इस्पात के विक्रय मूल्य के प्रतिशत का लगभग 10 प्रतिशत या कम था और इसलिए लौह अयस्क मूल्य में वृद्धि हेतु बिक्री योग्य इस्पात के मूल्य में वृद्धि पूर्ण रूप से उचित नहीं है।</p>	उत्पाद (₹/टन)	अप्रैल 2007	अक्टूबर 2007	मार्च 2008	एनएमडीसी (बीएफ) द्वारा लिया गया लौह अयस्क मूल्य	1,209	1,783	1,783	बिक्री योग्य उत्पादित इस्पात के प्रयुक्त लौह अयस्क प्रति टन की लागत (1.85 टन)	2,237	3,299	3,299	अप्रैल मूल्यों पर वृद्धि		1,062	1,062	रीबार्ज 2 मीमी		30,900	41,250	अक्टूबर मूल्यों पर वृद्धि			10,350
उत्पाद (₹/टन)	अप्रैल 2007	अक्टूबर 2007	मार्च 2008																						
एनएमडीसी (बीएफ) द्वारा लिया गया लौह अयस्क मूल्य	1,209	1,783	1,783																						
बिक्री योग्य उत्पादित इस्पात के प्रयुक्त लौह अयस्क प्रति टन की लागत (1.85 टन)	2,237	3,299	3,299																						
अप्रैल मूल्यों पर वृद्धि		1,062	1,062																						
रीबार्ज 2 मीमी		30,900	41,250																						
अक्टूबर मूल्यों पर वृद्धि			10,350																						
<p>एनएमडीसी बोर्ड में निहित शक्ति लागू करने द्वारा, मध्य-अवधि समीक्षा प्रावधान वर्ष 2007-08 और वर्ष 2009-10 के दौरान एनएमडीसी के खाते में लगभग ₹ 950 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व आ सकता था।</p>	<p>यद्यपि बोर्ड ने अपनी शक्तियों का प्रयोग किया और कंपनी ने अतिरिक्त राजस्व प्राप्त किया, यदि यह संशोधनों को पूर्ण रूप से और समय पर लागू करती, कंपनी 2007-10 के दौरान ₹ 745.94 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त कर सकती थी।</p>																								
<p>वित्तीय वर्ष 2009-10 में लौह अयस्क मूल्यों में काफी अधिक वृद्धि उपभोक्ता द्वारा लौह अयस्क की निकासी को बुरे तरीके से प्रभावित कर सकती थी और इसलिए एनएमडीसी की बिक्री भी काफी सीमा तक घट जाती।</p>	<p>एनएमडीसी ने घरेलू उपभोक्ताओं के साथ एलटीए को हस्ताक्षरित की थी, जिसके अनुसार, प्रत्येक उपभोक्ता संविदा (खण्ड 2) के अनुसार सहमत उत्पाद के न्यूनतम ऑफ टेक को प्राप्त करने का उत्तरदायी है। संविदा के खण्ड 20 के अनुसार, उपभोक्ता द्वारा सहमत मात्रा के 90 प्रतिशत से कम निकासी करने में असफल होने पर, खरीददार दीर्घकालिक उपभोक्ता नहीं रहता है। इसलिए, खरीददार अयस्क निकासी कर लेता है, विशेषकर तब</p>																								

	जब यह 26 प्रतिशत वृद्धि (बीएफ: ₹ 2130/ टन रायल्टी सहित) के बाद भी 2009-10 के दौरान विदेशी ग्राहकों से लिये गये मूल्य (बीएफ: ₹ 50.53 प्रति यूएस \$ की विनिमय दर पर ₹ 2891/टन) की तुलना में सस्ता है।
घरेलू बाजार में www.steelprices-india.com द्वारा सूचित कुछ घरेलू संकेतक जैसे ओएमसी लंप मूल्य, लंप और फाइन्स भिन्नता बाजार परिदृश्य में 25 प्रतिशत भिन्नता से कम दर्शा रहे थे।	घरेलू एलटीए के अनुसार, 2006-07 और उसके बाद के लिए मूल्य निर्धारण प्रासंगिक वर्ष हेतु एफओबी के आधार पर जेएसएम के लिए आधार मूल्य के साथ निर्यात मूल्य में वृद्धि/कमी और मूल्य समायोजन पर आधारित था। इसलिए, घरेलू एलटीए के पूर्ण होने तक, अर्थात 2009-10 तक, मूल्य निर्धारण निर्यात एलटीए मूल्यों पर आधारित था। क्योंकि प्रारंभिक मूल्य जेएसएम मूल्यों से प्राप्त कुल वसूली पर आधारित थे जिसके परिणामस्वरूप विदेशी उपभोक्ताओं की अपेक्षा घरेलू उपभोक्ताओं के लिए मूल्यों को कम रखा जा सका, अंतर्राष्ट्रीय स्पॉट मूल्य इसका आधार होना चाहिए।
ओडिसा मार्किंग कॉर्पोरेशन के गंधामरदान लंप के मामले में घरेलू बाजार में लौह अयस्क (लंप) में मासिक विभिन्नता ने अप्रैल 2009 मूल्यों की अपेक्षा दिसंबर 2009 में 2.3% तक मूल्यों में कमी दर्शाई।	एनएमडीसी के सीओडी के सुझावों के अनुसार, ओडिसा मार्किंग कॉर्पोरेशन के दोनों बर्बिल और गंधामरदार सैक्टर में अप्रैल 2009 के मूल्यों और लगभग 24-36% फाइन्स में वृद्धि की अपेक्षा दिसंबर 2009 के महीने में लंप अयस्क का मूल्य 10% तक बढ़ चुका था

वित्त वर्ष 2010-11 के दौरान मूल्य निर्धारण

4.17 घरेलू एलटीए की मुद्रा 31 मार्च 2010 पर समाप्त हुई और इसलिए 1 अप्रैल 2010 तक नवीकरण के लिए देय थी। तथापि, विदेशी एलटीए 2010-11 तक वैद्य थे। इसलिए, 2010-11 के लिए, कंपनी ने जेएसएम द्वारा वृद्धि/कमी के आधार पर मूल्यों का निर्धारण किया। इसी बीच, दुनिया में लौह अयस्क के लिए मूल्य निर्धारण संरचना अप्रैल 2010 से त्रैमासिक मूल्य निर्धारण एक परिवर्तन से गुजर चुका था। कंपनी ने भी (जून 2010) मूल्य निर्धारण प्रणाली में संशोधन करके वार्षिक मूल्य निर्धारण से त्रैमासिक मूल्य निर्धारण करने का निर्णय लिया।

4.18 कीमत निर्धारण तंत्र के रूप में 1 अप्रैल 2010 तक कीमत निर्धारण को नीचे दर्शाया गया है:

तालिका 13: 1 अप्रैल 2010 तक मूल्य निर्धारण को दर्शाती तालिका

क्रम	मद	बीएल ²¹	बीएफ/डीएफ ²²	डीएल ²³
1.	65% लौह के लिए मूल्य यूएस \$ /डीएलटी में	139.39	122.80	134.70
2.	% नमी तत्व (निर्यात डिस्पैच के लिए 2009-10 का औसत भार)	2.82	4.55	3.21
3.	65% लौह के लिए मूल्य यूएस \$ /डीएमटी (क्रम स.1/1.016)	137.19	120.86	132.57
4.	मूल्य यूएस \$ /डब्ल्यूएमटी में (क्रम स. 3* (100 क्रम स. 2/100)	133.32	115.36	128.31
5.	लौह अयस्क के लिए लौह अयस्क बोनस दर (यूएस \$ /डीएलटी) अतिरिक्त /कम लौह अयस्क के लिए लौह अयस्क बोनस दर (यूएस \$ /डब्ल्यूएमटी)	6.88 6.58	1.8893 1.77	2.0723 1.97
6.	अतिरिक्त/कम लौह अयस्क%	0.50	-1.00	0
7.	बोनस/शास्ति (यूएस \$ /डब्ल्यूएमटी) (क्रम स. 5* 6)	3.29	-1.77	0
8.	डब्ल्यूएमटी मूल्य (यूएस \$ /डब्ल्यूएमटी) (क्रम स. 4 + 7)	136.61	113.59	128.31
9.	कुल एफओबी प्रति (डब्ल्यूएमटी ₹ में (1 यूएस= ₹45.22)	6177.50	5136.54	5802.18
10.	घटा: व्यय (रेल यातायात, पत्तन प्रभार, रायल्टी और निर्यात प्रभार) ₹ में	1988.50	1897.54	2012.18
11.	नेट बैंक (डब्ल्यूएमटी प्रति ₹)- संदर्भ मूल्य	4189.00	3239.00	3790.00
12.	घटा: संदर्भ मूल्य पर 5% रॉयल्टी बोनस	209.00	162.00	189.00
13.	आधार मूल्य	3980.00	3077.00	3601.00
14.	घटा: इस्पात बाजार में अधिकता के रूप में आधार मूल्य पर 5% कीमत अस्थिरता छूट	199.00	153.00	180.00
15.	क्यू 1 से 2010-11 के लिए लगाया गया कुल आधार मूल्य	3781.00	2924.00	3421.00

²¹ बीएल-बिलाडिला लंप

²² बीएफ/डीएफ-बिलाडिला फाइन/डोनी फाइन

²³ डोनी फाइन

एनएमडीसी ने 5 प्रतिशत लॉयल्टी बोनस को स्वीकृत कर उपभोक्ताओं को अनुचित लाभ दिया और इसके अतिरिक्त बाजार परिस्थितियों के लिए आधार कीमत से 5 प्रतिशत की कमी की। इस अकारण कीमत में कमी के परिणामस्वरूप 2010-11 के दौरान कंपनी को ₹ 600.83 करोड़ के राजस्व का घाटा हुआ।

4.19 कंपनी ने कीमतों को घटाने के बाद नेट बैंक प्रणाली का प्रयोग करते हुए आगे आधार कीमत तक लॉयल्टी बोनस के रूप में 5 प्रतिशत की छूट को स्वीकृत किया। इसके अतिरिक्त, इस्पात बाजार में अधिकता को देखते हुए कीमतों में कमी लाकर 2010-11 से पहली दो तिमाहियों के दौरान 5 प्रतिशत का प्रोत्साहन उपभोक्ताओं को दिया गया। लॉयल्टी बोनस और एलटीए के प्रोत्साहन का विस्तार अकारण था क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय कीमत समझौतों पर आधारित होते

हैं जिसमें स्वाभाविक रूप से कुछ कारक शामिल हैं जैसे लॉयल्टी और प्रोत्साहन क्योंकि उपरोक्त का विस्तार करने हेतु विशेषकर घरेलू उपभोक्ताओं जैसा कोई मामला नहीं था, जब उन पर लागू किय गये मूल्य विदेशी उपभोक्ताओं (तालिका 13 में क्रम सं. 9 और 11) से कम थे। संदर्भ कीमत में 5 प्रतिशत की इस कमी से पूरे वर्ष और आगे पहली दो तिमाहियों के दौरान आधार मूल्य में दोबारा पांच प्रतिशत की कमी के परिणामस्वरूप 2010-11 के दौरान उपभोक्ताओं को ₹ 600.83 करोड़ की राशि का लाभ प्राप्त हुआ।

एनएमडीसी ने 5 प्रतिशत से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मूल्य में वृद्धि के दो-तिहाई कीमत वृद्धि के विकल्प के साथ तिमाही मूल्य निर्धारण को अपना लिया परंतु 5 प्रतिशत से अधिक कमी के मामले में, कीमत पूर्णतः घटा दी गई। कीमत निर्धारण में इस विषमता के कारण एनएमडीसी को 2010-11 के दौरान ₹ 227.34 करोड़ की हानि हुई।

4.20 2010-11 की पहली तिमाही में निर्धारित कीमत आधार कीमत था जिसे जेएसएम मूल्यों में हुये परिवर्तनों की प्रतिशत ता पर आधारित अनुवर्ती तिमाही में आगे समायोजित करना था। बोर्ड ने (जून 2010) अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में बढ़ोतरी के दो तिहाई तक वृद्धि करने का निर्णय लिया यदि अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में पिछली तिमाही से वर्तमान तिमाही तक पांच प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई थे। तथापि, अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में पांच प्रतिशत से अधिक की कमी आने के मामले में, बोर्ड ने दो तिहाई की अपेक्षा कीमत को पूर्णतः घटाने का निर्णय लिया। इसलिए, 2010-11 में बनी हुई विषमता के कारण कंपनी कीमतों में वृद्धि या कमी को समान स्तर पर सुलझा नहीं पाई।

4.21 पहली मूल्य निर्धारण तिमाही जेएसएम से प्राप्त कंपनी वृद्धि की प्रतिशत ता पर आधारित थी। दूसरी और तीसरी तिमाही के दौरान, कीमत क्रमशः 22.16 और 5.91 प्रतिशत तक क्यू 1 मूल्यों की वृद्धि हुई और चौथी तिमाही के लिए, कीमत में पिछली तिमाही से 7.67 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। तथापि, कंपनी ने पूरी वृद्धि की बजाय दो तिहाई वृद्धि द्वारा कीमत को प्रभावित किया जिससे 2010-11 की अंतिम तीन तिमाहियों में बेचे गये 15.30 एमटी की मात्रा पर ₹ 227.34 करोड़ के राजस्व की हानि हुई।

4.22 उपरोक्त लेखापरीक्षा आपत्तियों और लेखापरीक्षा तर्कों पर मंत्रालय का उत्तर (जुलाई 2012) नीचे दिया गया है:

तालिका 14: मंत्रालय का उत्तर और लेखापरीक्षा की टिप्पणियाँ दर्शाती तालिका

मंत्रालय के उत्तर का सार	लेखापरीक्षा की टिप्पणियाँ
<p>त्रैमासिक 1 वित्तीय वर्ष 2010-11 नेट बैंक मूल्य त्रैमासिक 1 के जेएसएम निर्यात मूल्यों से लिए गए थे। एनडीएमसी बोर्ड ने 100 प्रतिशत उपभोक्ता बनाए रखने के दर्शन के साथ सभी दीर्घकालिक उपभोक्ताओं को पूरे वर्ष के लिए 5 प्रतिशत छूट प्रदान करने का निर्णय किया।</p>	<p>जेएसएमज़ को निर्यात के लिए एलटीए मूल्य इस्पात मंत्रालय एनएमडीसी, एमएमटीसी और जेएसएमज़/पीओएससीओ के अधिकारियों के बीच बातचीत के बाद निर्धारित की गई। तय किया गया मूल्य अयस्क के आस्ट्रेलियन आपूर्तिकर्ता को प्रदान किए गए बड़े हुए मूल्य पर आधारित है। यूएस \$ /डीएलटी में 65% लौह के लिए मूल्य 1 अप्रैल 2011 को पहले से ही तय किया गया मूल्य था और उसमें छूट के तत्व हो सकते हैं। अतः न्यूनतम आधारिक मूल्य और बढ़ा हुआ किराया/ निर्यात शुल्क के परिदृश्य में, अधिक छूट की अनुमति कंपनी के वित्तीय हित में नहीं था।</p>
<p>इसके अतिरिक्त, उस समय में प्रभावी इस्पात बाजार में भरमार को ध्यान में रखते हुए एनएमडीसी बोर्ड ने केवल त्रैमासिक 1 और त्रैमासिक 2 के आधारिक मूल्य पर 5 प्रतिशत छूट (मूल्य अस्थिर छूट) का दूसरा ट्रान्च प्रदान करने का निर्णय लिया जिससे दीर्घकालिक उपभोक्ताओं को दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर करने का प्रलोभन हुआ और कंपनी के लिए निरंतर राजस्व का बहाव सुनिश्चित हुआ।</p>	<p>उच्च निर्यात शुल्क और निर्यात रेल किराए के कारण नेट बैंक मूल्य पहले से ही विदेशी उपभोक्ताओं पर लगाए गए मूल्य से बहुत कम थे। अतः, मूल्य अस्थिर छूट उचित नहीं थी।</p>
<p>बढ़ते मूल्य की प्रवृत्ति वाले अधिक अस्थिर बाजार में उपभोक्ताओं को पूरी बढ़त न बताई जाना यह सामान्य वाणिज्यिक प्रक्रिया है क्योंकि यह बिक्री की मात्रा को काफी प्रभावित कर सकती है। जबकि, गिरते हुए बाजार में, यदि मौजूदा बाजार की स्थिति के साथ मूल्य नीचे नहीं होता है, तो वहाँ मुश्किल से ही कोई खरीदार होगा। इस दर्शन के साथ, एनएमडीसी ने जेएसएम निर्यात मूल्य बढ़त पर अपने घरेलू मूल्य को केवल दो तिहाई तक बढ़ाने और मूल्य में कमी की स्थिति में पूरा लाभ देने का निर्णय लिया।</p> <p>लेखापरीक्षा के बढ़ते और घटते मूल्य के संशोधन के बीच विषमता हटाने के सुझाव को कंपनी ने नोट किया हुआ है और कंपनी ने वर्ष 2011-12 से नई मूल्य नीति का पहले से ही कार्यान्वयन किया है जिसका ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।</p>	<p>2005-09 के दौरान घरेलू एलटीएज़ के मूल्य जेएसएमज़ द्वारा प्रभावित प्रतिशत बढ़त पर आधारित थे। इसी प्रकार, 2010-11 के दौरान भी, जब जेएसएमज़ को प्रदान किया गए, निर्यात मूल्य कुछ प्रतिशत से बढ़ा दिया गया, वैसी ही प्रतिशत बढ़त घरेलू एलटीए पर लगाए गए मूल्य पर लागू करनी चाहिए।</p>

2011-12 के दौरान कीमत निर्धारण

4.23 31 मार्च 2011 को विदेशी एलटीए समाप्त हुआ। यह मार्च 2012 तक नवीकृत नहीं हुआ। इसलिए, घरेलू मूल्य को निर्धारित करने के लिए आधार बनाने के लिए जेएसएम संदर्भित मूल्य नहीं था। बोर्ड ने (मई 2011) अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों को ध्यान में रखते हुए पलैट्स सूचक (65% लौह तत्व) के अनुसार निर्देश चिन्ह मूल्य के रूप में नेट बैंक पद्धति (अर्थात्, व्यय घटाने के बाद निर्यात से नोशनल नेट वसूली के आधार पर प्रत्येक तिमाही पर मूल्यों को निर्धारित करने का निर्णय किया और उन्हें डॉलर-रूपये में सामान्ता के लिए सुव्यवस्थित किया। 2011-12 की पहली तिमाही के लिए घरेलू मूल्यों पर निर्यात रेल किराया, पत्तन प्रभार, निर्यात शुल्क और राजत्व को काटने के बाद पहुँचा गया जैसा निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका 15: 1 अप्रैल 2011 को मूल्य तक पहुँचने के लिए आधार को दर्शाती हुई तालिका

क्रम	विवरण	बीएल	बीएफ/डीएफ	डीएल
1.	65% लौह के लिए यूएस \$ /डीएलटी ²⁴ में मूल्य	201.32	177.37	195.45
2.	% प्रतिशत में नमी तत्व (निर्यात प्रेषकों के लिए 2010-11 के त्रैमासिक 1 भार औसत)	1.56	3.12	3.19
3.	65% लौह (क्र.1/1.016) के लिए यूएस \$ /डीएमटी में मूल्य	198.14	174.57	192.36
4.	यूएस \$ /डब्ल्यूएमटी (क्र.3*(100-क्र.2/100) में मूल्य	195.05	169.12	186.22
5.	अतिरिक्त लौह के लिए लौह बोनस दर (यूएस \$ /डीएलटी)	9.93	2.7288	3.0069
	अतिरिक्त/कम लौह के लिए लौह बोनस दर (यूएस \$ /डब्ल्यूएमटी)	9.62	2.60	2.87
6.	अतिरिक्त/कम लौह %	0.5	-1.0	0
7.	बोनस/जुर्माना (यूएस \$ /डब्ल्यूएमटी) (क्र.5*6)	4.81	-2.60	0
8.	डब्ल्यूएमटी मूल्य (यूएस \$ /डब्ल्यूएमटी) (क्र.4+ 7)	199.86	166.52	186.22
9.	₹ (1यूएस \$= 44.45*) में प्रति डब्ल्यूएमटी नेट एफओबी	8883.78	7401.81	8277.48
10.	कम: व्यय ₹ में (निर्यात रेल किराया, पत्तन शुल्क राजस्व और निर्यात शुल्क)	4942.12	4537.94	4842.42
11.	नेटबैंक (₹ प्रति डब्ल्यूएमटी)	3941.66	2863.87	3435.06
12.	नेट बैंक पर आधारित निर्धारित किए जाने वाले घरेलू मूल्य	3942	2864	3436
13.	2011-12 के पहली तिमाही के लिए निर्धारित घरेलू मूल्य (₹ प्रति डब्ल्यू)	4540 (15% प्रीमियम के बाद)	2870	3960 (15% प्रीमियम के बाद)

* आईएनआर ₹44.45/यूएस \$ -5 अप्रैल 2011 को 60 दिन का अग्रिम कवर

4.24 उपरोक्त दी गई मूल्य निर्धारण प्रणाली को 2011-12 की दूसरी तिमाही के लिए मूल्य निर्धारित करने के लिए अपनाया गया था। तीसरी तिमाही में जुर्माने का मूल्य पहली और दूसरी तिमाही के लिए

²⁴ डीएलटी मूल्य पर, पलैट्स सूचक (लौह 65%) के प्रयोग करते हुए आगामी तिमाही के एफओबी मूल्य के औसत का लेकर पहुँचा गया है।

अपनाई गई समान पद्धति के आधार पर तय किया गया था। तथापि, पिण्ड अयस्क के मामले में, बाज़ार की स्थिति और मौजूदा अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए प्रीमियम 15 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक कम कर दिया।

4.25 चौथी तिमाही के दौरान, जैसा कि 2011-12 की पहली तीन तिमाही के दौरान किया गया था कंपनी नेट बैंक पद्धति पर आधारित जुर्माने के मूल्य को निर्धारित करने के लिए उसी पद्धति को अपनाया। तथापि, पिण्ड के संबंध में ओडिशा खनन कॉर्पोरेशन (ओएमसी) ने अपनी चार परिचालित माइन्स से प्राप्त भारित औसत मूल्य पर आधारित मूल्य को निर्धारित करने के लिए बोर्ड ने अनुमोदित किया।

कीमत निर्धारण में मुद्दे

4.26 पूर्वोल्लिखित विवेचन दर्शाता है कि कंपनी की मूल्य निर्धारण नीतियाँ अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में बदलाव को उपयुक्त रूप से प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। इस अवधि (2005-2012) के दौरान कंपनी ने मूल्य निर्धारण के लिए अलग पद्धति अपनाई। बड़ा मुद्दा है कि कंपनी मूल्य कैसे निर्धारित करें कि उसका वित्तीय हित सुरक्षित हो। निर्यात एलटीए मूल्य से संबंधित ऐसा कोई मुद्दा अभी तक नहीं है क्योंकि वह मूल्य आस्ट्रेलिया और ब्राजील से आपूर्तिकर्ता को जेएसएम द्वारा प्रदान किए गए अंतर्राष्ट्रीय निर्देशचिह्न मूल्य पर आधारित हैं। तथापि घरेलू मूल्य के निर्धारण में मुद्दे हैं जैसा कि नीचे विवेचन किया है।

4.27 कंपनी ने अलग-अलग समय पर घरेलू लौह अयस्क के मूल्य के निर्धारण के लिए मुख्यतः "नेट बैंक" पद्धति और घरेलू मूल्य समता पद्धति (ओएमसी से प्राप्त मूल्यों पर आधारित) अपनाई है। उसने अयस्क को बेचने के लिए बोर्ड पैमाने²⁵ नीलामी के रास्ते का अन्वेषण नहीं किया है।

4.28 "नेट बैंक" पद्धति के अंतर्गत निर्यात रेल किराया, पत्तन प्रभार, राजत्व और अंतरराष्ट्रीय मूल्य (एलटीए या मौजूदा) से निर्यात शुल्क जैसे खर्चों में कटौती के पश्चात घरेलू मूल्य तय किया गया है। यह मूल्य हालांकि उच्च निर्यात से संबंधित खर्चों के कारण घरेलू मूल्य को कम कर देता है जैसा कि नीचे दर्शाया गया है

तालिका 16: नीचे दी गई तालिका घरेलू मूल्य की यथा बैला जुर्माने के लिए निर्यात मूल्य प्रतिशत ता दर्शाती है

बीएफ मूल्य (₹/डब्ल्यूएमटी)	अप्रैल" 05	अप्रैल" 6	अप्रैल"07	अप्रैल" 8	अप्रैल" 09	अप्रैल" 10	अप्रैल" 11
निर्यात एफओबी मूल्य	1,593	1,908	2,070	3,413	2,891	5,137	7,402
कम: खर्च	666					1898	4538
नेट बैंक मूल्य	927	1,114*	1,209*	1,970*	1,666*	3,239	2,870

²⁵ डीलटी मूल्य पर, फ्लैट्स सूचक (लौह 65%) का प्रयोग करते हुए आगामी तिमाही के एफओबी मूल्य के औसत को लेकर पहुंचा गया है।

बीएफ मूल्य (₹/डब्ल्यूएमटी)	अप्रैल " 05	अप्रैल " 6	अप्रैल "07	अप्रैल " 8	अप्रैल " 09	अप्रैल " 10	अप्रैल " 11
निर्यात एफओबी मूल्य से नेट बैंक मूल्य की प्रतिशत ता	58	58	58	58	58	63	39
घरेलू क्रताओं को प्रभारित मूल्य (रॉयल्टी सहित)	946	1133	1228	1989	1833	3216	3157

* दिया गया मूल्य वर्ष के लिए प्रभारित वास्तविक मूल्य है।

4.29 उपरोक्त से देखा जा सकता है कि निर्यात एफओबी मूल्य के प्रतिशत ता के रूप में " नेट बैंक " मूल्य में मुख्यतः बढ़े हुए निर्यात रेल भाड़ा और देश विशेष में निर्यात शुल्क में कटौती के कारण 2011-12 में गिरावट आई। परिणामतः लौह अयस्क हेतु क्रेताओं को ओवरसीज क्रेताओं की अपेक्षा बहुत कम भुगतान कर रहे हैं जैसा कि ऊपर दर्शाया गया है।

4.30 जबकि घरेलू क्रेता लौह अयस्क के लिए विदेशी क्रेताओं से कम मूल्य अदा करते हैं, यह उपभोक्ताओं को आवश्यक रूप से मूल्य लाभ नहीं देता जैसा कि नीचे दर्शाया गया है।

तालिका 17: हॉट रोल्ड क्वाइल्स के घरेलू मूल्यों और विदेशी मूल्यों के बीच मूल्य भिन्नता दर्शाती तालिका

(₹/टन)	अप्रैल-दिसम्बर 2005	अप्रैल 2011	मार्च 2012
एचआर क्वाइल्स का ओवरसीज मूल्य	20,351	38,046	35,348
एचआर क्वाइल्स 2 मिमी का घरेलू मूल्य	28,444	43,020	47,630

4.31 इस प्रकार "नेट बैंक पद्धति कंपनी के वित्तीय हितों की सुरक्षा नहीं करता है, मुख्य रूप से उच्च निर्यात संबंधी व्यय के कारण। एक अच्छे उपाय में यह पद्धति घरेलू क्रेताओं के रियायत को (अंतरराष्ट्रीय कीमतों की अपेक्षा न्यून लौह अयस्क कीमतों के रूप में) बढ़ाने से संबंधित है। निष्कर्ष निकालते हुए कि एनएमडीसी लौह अयस्क की बिक्री हेतु ई-नीलामी प्रक्रिया पर विचार कर सकती है, मंत्रालय ने निम्नलिखित कारक बताये जिससे ई-नीलामी पद्धति अनुपयुक्त हो सकती है।

- थोक कमोडिटी होने कारण लौह अयस्क को बड़ी मात्रा में भण्डारित नहीं किया जा सकता। निकासी में देरी ई-नीलामी का परिणाम है। इससे उत्पादन घटेगा और कंपनी अर्थव्यवस्था के पैमाने नहीं रख सकती है।
- इस्पात कंपनियों को अयस्क की आपूर्ति सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।
- लम्बे समय में उत्पादन को संभावित जोखिम।

4.32 जहां अंतिम-उत्पाद का मूल्य नियामक द्वारा निवेशित लागतों के आधार पर नियमित करता है, निवेशों हेतु कम मूल्य का निर्धारण उपभोक्ताओं के लिए अंतिम-उत्पाद मूल्य को कम रखने में सहायक होता है। इस्पात मूल्य बाजार की मांग और आपूर्ति से निर्धारित होते हैं और नियामक से नियमित नहीं होते, लौह अयस्क के मूल्यों को कम रखने के परिणामस्वरूप केवल लौह अयस्क आपूर्तिकर्ता की लागत पर इस्पात उत्पादक अतिरिक्त लाभ प्राप्त करते हैं। इस परिदृश्य में, यह वांछनीय है कि उपभोक्ताओं को निश्चित आपूर्ति और मूल्य की भविष्यपरकता को सुनिश्चित करते हुए बाजार संचालित मूल्य लिया जाये।

4.33 इसलिए, यह सुझाव दिया जाता है, कि वर्तमान परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए जहाँ इस्पात उत्पाद मूल्य बाजार निर्धारित होते हैं, लौह अयस्क घरेलू मूल्य निर्धारण तंत्र को स्थापित किया जा सकता है जो निम्नलिखित मुद्दों को संबोधित करता है:

- (i) एनएमडीसी के अयस्क के लिए अधिकतम मूल्य वसूली;
- (ii) घरेलू इस्पात उत्पादकों को निश्चित आपूर्ति; और
- (iii) कीमत की भविष्यपरकता

मौजूदा बिक्री

4.34 4.34 2005-12 के दौरान मौजूदा बिक्री कंपनी की कुल बिक्री का 5 प्रतिशत थी। कंपनी ने दिसम्बर 2007 में मौजूदा बाजार विक्रय नीति तय किया। मौजूदा बिक्री ई-नीलामी के माध्यम से की जाती है। कंपनी के मौजूदा विक्रय नीति की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :

- (i) निदेशक समिति (सीओडी) मौजूदा बिक्री हेतु मात्राएं सुनिश्चित करेंगे।
- (ii) कंपनी मात्राओं के निपटान के लिए ई-नीलामी/प्रतिस्पर्धी बोली अपनाएगी।
- (iii) ई-नीलामी की शुरुआत से पहले आरक्षित मूल्य मौजूदा बाजार के रुझान के आधार पर तय किया जाएगा।
- (iv) मौजूदा बिक्री के लिए मात्रा निर्धारित करने के बाद मौजूदा बिक्री समय-समय पर कम की जानी चाहिए। मौजूदा बिक्री के लिए मात्रा दीर्घकालिक ग्राहकों की देयताएं पूरी होने के पश्चात अधिशेष मात्रा है

4.35 हमने देखा कि मौजूदा बिक्री बनायी गई प्रक्रियाओं के अनुसार ही की जा रही थी और कोई मुद्दे नहीं थे।

सिफारिश # 4

लौह अयस्क के लिए घरेलू मूल्य निर्धारण तंत्र स्थापित किया जाय जो निम्नलिखित मुद्दे संबोधित करेगा:

- एनएमडीसी के लौह अयस्क के लिए अधिकतम मूल्य वसूली;
- घरेलू इस्पात उत्पादकों को निश्चित आपूर्ति; और
- कीमत की भविष्यपरकता।